

Gillette के आदमी मर गए

एक आदमी के जीवन में बहुत-सी चीज़ें साथ-साथ रहती हैं, पर सबसे पहली अब भी ज़रूरत और अभाव होती हैं।

इन्हीं दो आयामों के भीतर आदमी अपना असली रूप दिखाता है, पर आत्मिक हिस्सा भावनात्मक निर्णयों से पोषित होता है — कभी ठंडे, तार्किक विवेक से नहीं।

आज मेरा दिन था, वह दिन जो मैंने अपने उन Gillette सहयोगियों को समर्पित किया जो कंपनी में अपना समय पूरा करके चल बसे।

पहला विचार स्वाभाविक रूप से अपने पिता के लिए आया। आँसू मानो थमने का नाम ही नहीं ले रहे थे, जब तक भीतर से एक हल्की आवाज़ ने कहा: रोना बंद करो, तुम Gillette के आदमी हो — और मेरे पिता, अपनी क़ब्र की तस्वीर से, मानो स्वीकृति में मुस्कुरा रहे थे।

फिर मैं मारियो से मिलने गया, कंपनी का एक सहयोगी जिसे मैं अपने पिता के दौर से जानता था, और उसके साथ ही गुइदो भी मिला — हम तीनों एक ही कार्य-समूह में थे, पर हर एक का स्वभाव अलग था।

वे मेरा आदर करते थे, मेरा ख़याल रखते थे, और कोई भी मौक़ा उनके लिए काफ़ी होता था कोई किस्सा, कोई कहानी सुनाने के लिए — वैसे जैसे सिर्फ़ सेल्स से आया आदमी ही सुना सकता है।

फिर, एक गिरजाघर के भीतर — क्योंकि जहाँ वे वाक़ई दफ़न हैं वहाँ तक जाना संभव नहीं था — मुझे गिउलियानो की याद आई, मेरा दोस्त और एरिया मैनेजर जिसने मुझे प्रशिक्षित किया था, और डॉ. दी तुल्लियो की, उस Gillette Italia के सेल्स डायरेक्टर जिन्होंने कंपनी की महानता रची, ऐसे आदमी गढ़े जिन्होंने कभी थकान नहीं जानी और ब्लेड से लैस ग्लैडिएटर होने पर गर्व करते थे।

फिर, दिन के अंत में, मुझे दादा काम्प की याद आई। मैं उनसे कभी व्यक्तिगत रूप से नहीं मिला — हम दोनों की सक्रियता के वर्ष कभी मिले ही नहीं — पर तीन चीज़ें हमें जोड़ती थीं।

हम दोनों विक्रेता थे, लेखक थे और फ़्रीमेसन थे, और चक्र पूरा करने के लिए, हम दोनों ने सोचा था कि दुनिया को और उसके भीतर के लोगों को बदलने के लिए तंत्र कैसे रचे जाएँ: उन्होंने इसे भौतिक रूप से कर दिखाया, मैं इसे संज्ञानात्मक रूप से करने की कोशिश करता हूँ, और हम दोनों जानते थे कि यह कठिन था, पर असंभव नहीं — जैसा हमेशा होता है जब कुछ नया जन्म लेता है।

Gillette के सभी आदमियों को विदा।

आपका, फ़र्दिनान्दो

Ferdinando Frega — gillettenarrative.com